



Progetto co-finanziato dall'Unione Europea



MINISTERO
DELL'INTERNO

FONDO ASILO, MIGRAZIONE E INTEGRAZIONE (FAMI) 2014-2020
OS 2 integrazione e migrazione legale - ON 2 integrazione - prog. n. 2574

QUESTIONARIO SUGLI STILI E LE MODALITÀ DI APPRENDIMENTO DELLA LINGUA STRANIERA PER RAGAZZI E ADULTI

HINDI



विदेशी भाषा सीखने की शैलियों और विधियों की प्रश्नावली

यह संस्करण learningpaths.org से अनुकूलित है

यह प्रश्नावली आपको इस बात की बेहतर समझ प्रदान करेगी कि आप विदेशी भाषा किस तरह सीखते हैं और इस बारे में आपकी प्राथमिकताएं क्या हैं।

नीचे दिए गए कथन ऐसी कई अध्ययन परिपाटियों और सीखने की शैलियों का वर्णन करते हैं जो विदेशी भाषा सीखने वाले लोगों में आमतौर पर देखने को मिलती हैं। हर कथन के लिए तय करें कि वह आप पर किस सीमा तक लागू होता है: अपने चयनित स्तंभ में मौजूद संख्या पर गोला बना दें। उदाहरण के लिए, यदि आप प्रश्न 1 के उत्तर के रूप में *बहुत कम बार* को चुनना चाहते हैं, तो संख्या 3 पर गोला बनाएं।

प्रश्नों के उत्तर अधिकतम संभव ईमानदारी से देने की कोशिश करें: वह उत्तर न चुनें जो आपके विचार में *सही होगा*, बल्कि वह उत्तर चुनें जो *वास्तव में* आपकी अपनी आदतों के सबसे समीप है। यह ध्यान रखें कि इस प्रश्नावली में *किसी भी प्रश्न का कोई सही या गलत उत्तर नहीं है*। यह प्रश्नावली केवल आपको *अपनी स्वयं की* सीखने की शैली के बारे में बेहतर समझ देने के लिए है।

	बहुत अधिक बार	अक्सर	कभी-कभी	बहुत कम बार	शायद ही कभी
1. जब मैं किसी विदेशी भाषा का पाठ्य पढ़ता/ती हूँ तो मुझे एक-एक शब्द समझने की ज़रूरत पड़ती है।	0	1	2	3	4
2. मुझे पहले बहुत सारे उदाहरण पढ़ कर फिर व्याकरण का नियम बनाना पसंद है।	4	3	2	1	0
3. मैं विदेशी भाषा समझने या बोलने के लिए मेरी मातृ भाषा पर निर्भर किया करता/ती हूँ।	0	1	2	3	4
4. मैं व्याकरण से अधिक ध्यान शब्दावली पर देता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
5. यदि मुझे कोई नियम या किसी शब्द का सटीक अर्थ समझ न आए तो मुझे असहज महसूस होता है।	0	1	2	3	4
6. पढ़ते समय, मैं अनजाने शब्दों के अर्थ को आस-पास के शब्दों की मदद से समझने की कोशिश करता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
7. मैं इस बात को प्राथमिकता देता/ती हूँ कि पहले मुझे नियम स्पष्ट रूप से समझा दिए जाएं और उसके बाद मैं लिखित या मौखिक कार्यों में उनका उपयोग करूँ।	0	1	2	3	4
8. किसी विदेशी भाषा के पाठ्य को पढ़ते या सुनते समय मुझे नहीं लगता कि मुझे हर शब्द तुरंत ही समझने की ज़रूरत है; यदि मुझे मुख्य विचार समझ में आ जाए तो मैं इतने से ही संतुष्ट हो जाता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
9. विदेशी भाषा में बोलते समय मुझे जो कहना है उसकी तैयारी के लिए मुझे समय की ज़रूरत होती है।	0	1	2	3	4
10. मैं अपनी मनचाही बात ज़ाहिर करने के लिए नई या अधिक कठिन संरचनाओं या शब्दावली के उपयोग का जोखिम उठाने को तैयार हूँ।	4	3	2	1	0
11. विदेशी भाषा में बोलते समय मुझे जैसे ही महसूस होता है कि मुझसे कोई गलती हो गई है तो मैं जल्द-से-जल्द अपनी गलती सुधारने की कोशिश करता/ती हूँ।	0	1	2	3	4
12. मैं पहले मेरे दिमाग में वाक्य बनाए बिना ही बोलना या लिखना शुरू कर देता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
13. जब मैं खुद से अध्ययन करता/ती हूँ तो मुझे अधिक याद रहता है।	0	1	2	3	4
14. मुझे अध्यापक/अध्यापिका और पूरी कक्षा के साथ कार्य करना पसंद है।	4	3	2	1	0

15. मैं कक्षा की तुलना में घर पर खुद से पढ़ कर अधिक सीखता/ती हूँ।	0	1	2	3	4
16. मुझे कक्षा में जोड़ों या समूहों में कार्य करना पसंद है।	4	3	2	1	0
17. मैं पाठ्य को मात्र सुनने की बजाय उसे पढ़ना अधिक पसंद करूंगा/गी।	4	3	2	1	0
18. यदि मुझे लिखित निर्देश पढ़ने को मिल जाएं तो मैं उन्हें बेहतर ढंग से समझ लेता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
19. जो मैं सीख रहा होता/रही होती हूँ मुझे उसे तुरंत ही मेरी अभ्यास पुस्तिका में लिखने की ज़रूरत होती है।	4	3	2	1	0
20. नए शब्द सीखने के लिए, मुझे उन्हें कई बार लिखना पड़ता है।	4	3	2	1	0
21. कक्षा में जो कुछ बताया जाता है उसके नोट्स बनाने को मैं उपयोगी पाता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
22. मैं पाठ्य को सुनने की बजाय उसका वीडियो देखना अधिक पसंद करूंगा/गी।	4	3	2	1	0
23. जब मैं कोई पाठ्य पढ़ता/ती हूँ, तो मुझे विभिन्न भागों को अलग-अलग रंगों से हाइलाइट करना उपयोगी जान पड़ता है।	4	3	2	1	0
24. यदि लिखित निर्देशों को किसी आरेख या चित्र द्वारा स्पष्ट कर दिया जाए तो मैं उनका पालन बेहतर ढंग से कर पाता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
25. जब मैं किसी पाठ्य पर कार्य कर रहा होता/रही होती हूँ, तो यदि मैं पहले फोटो या स्पष्टीकरणों/चित्रों को देख लूँ तो मैं अधिक सीख पाता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
26. नए शब्द सीखने के लिए, मुझे उन्हें चित्रों से जोड़ना पड़ता है।	4	3	2	1	0
27. नए शब्द सीखने के लिए, मुझे उन्हें ज़ोर-ज़ोर से बोल कर या मन-ही-मन दोहराना पड़ता है।	4	3	2	1	0
28. मुझे उच्चारण के अभ्यास करना पसंद है।	4	3	2	1	0
29. मैं कक्षा में होने वाली बातचीत और चर्चाओं से काफी कुछ सीखता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
30. मुझे किसी पुस्तक में पढ़ी गई चीज़ों की तुलना में कक्षा में सुनी गई चीज़ें बेहतर ढंग से याद हो जाती हैं।	4	3	2	1	0
31. मैं विदेशी भाषा के पाठ्य (रिकॉर्ड किए हुए संवाद, समाचार, रेडियो, गीत आदि) को सुन कर काफी कुछ सीखता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
32. यदि मैं मेरी बात समझा न पाऊँ, तो मैं इशारों का उपयोग करता/ती हूँ।	4	3	2	1	0
33. मुझे स्कूल में अपने हाथों से या रचनात्मक गतिविधियां करना पसंद है।	4	3	2	1	0
34. मुझे पुस्तकालय और प्रयोगशाला आदि में शोध करना और कार्य करना पसंद है।	4	3	2	1	0
35. मुझे खेल खेलना, मूक अभिनय करना, गीत गाना और इसी तरह की अन्य गतिविधियां पसंद हैं।	4	3	2	1	0
36. मुझे ऐसी गतिविधियां पसंद हैं जिनमें मुझे जानकारी ढूँढनी होती है, लोगों के साक्षात्कार लेने होते हैं, अलग-अलग स्थानों पर जाना होता है, आदि।	4	3	2	1	0

आपके स्कोर की गणना

प्रश्नावली के हर अनुभाग (प्रश्न 1 से 8, 9 से 12, 13 से 16, 17 से 21, 22 से 26, 27 से 31 और 32 से 36) में आपने जिन संख्याओं पर गोले बनाए थे उन सब को जोड़ दें और संबंधित तालिकाओं में अपने स्कोर लिखें। इस प्रश्नावली में कोई भी अच्छे या बुरे अंक नहीं हैं। हर स्कोर अध्ययन करने और सीखने के आपके अपने तरीके को दर्शाता है। हर स्कोर सीखने की एक शैली को संदर्भित करता है, और सीखने की हर शैली के अपने-अपने सकारात्मक और नकारात्मक पहलू हो सकते हैं।

प्रश्न 1 से 8

<----वैश्लेषिक

व्यापक---->



प्रश्न 9 से 12

<----चिंतनशील

आवेगी---->



प्रश्न 13 से 16

<----व्यक्ति

समूह---->



प्रश्न 17 से 21: मौखिक दृश्यात्मक शैली -----|-----

प्रश्न 22 से 26: अमौखिक दृश्यात्मक शैली -----|-----

प्रश्न 27 से 31: श्रवण शैली -----|-----

प्रश्न 32 से 36: शारीरिक-क्रियाकलाप शैली -----|-----

0 2 4 6 8 10 12 14 16 18 20

पैमाने: वर्णन एवं सुझाव

वैश्लेषिक/व्यापक (प्रश्न 1 से 8)

आपका स्कोर 0 के जितना समीप होता है, आप सीखी जा रही भाषा का उतनी ही अधिक बारीक से विश्लेषण करने की प्रवृत्ति रखते हैं; आप व्याकरण को, शब्दों के सटीक अर्थों को, और भाषा सही से सीखने में आपकी मदद करने वाले अभ्यासों को काफ़ी महत्व दिया करते हैं; शायद आप संरचनाओं और शब्दावली पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए अक्सर अनुवादों का उपयोग करते हैं।

सलाह: यह याद रखने की कोशिश करें कि हालांकि विदेशी भाषा का विश्लेषण संरचनाओं और शब्दावली की दृष्टि से किया जा सकता है, पर नियमों को तुरंत ही समझ लेना और चीज़ों को समझने व खुद की बात ज़ाहिर करने में उनका तुरंत ही प्रयोग करने लग जाना हमेशा संभव नहीं होता है। कभी-कभी, आप जो सुन या पढ़ रहे हैं उसके अर्थ के बारे में अनुमान लगाना व कल्पना करना तथा यदि आपको सारी चीज़ें तुरंत समझ न आएँ, या यदि आप खुद की बात ज़ाहिर करते समय 100% सही न हों तो भी चिंता न करना अधिक उपयोगी होता है।

आपका स्कोर 16 के जितना समीप है, आपकी शैली वैश्लेषिक और व्यापक के बीच उतनी ही अधिक "संतुलित" है। असल में हम में से बहुत से लोग इन्हीं दोनों के बीच में कहीं होते हैं और हम आवश्यकतानुसार दोनों शैलियों का उपयोग करते हैं।

सलाह: ऊपर व नीचे वाली दोनों शैलियों के वर्णन अभी-भी पढ़ लें। हो सकता है कि आप खुद को उनमें से एक या दूसरे के अधिक समीप पाएँ, और इससे आपको भाषा सीखने की अपनी शैली के कुछ पहलुओं को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

आपका स्कोर 32 के जितना समीप है, विदेशी भाषा को सुन कर या पढ़ कर सीखने की उतनी ही अधिक प्रवृत्ति रखते हैं, और आपको व्याकरण या शब्दों के सटीक अर्थों के बारे में अधिक नहीं सोचना पड़ता है। आप व्याकरण की संरचनाओं से अधिक महत्व शब्दावली को दिया करते हैं, जिससे आपको लगता है कि आप अपनी बात ज़ाहिर कर सकते हैं, और हो सकता है कि आप नियमों को कम करके आंकते हों, फिर भले ही आपसे गलतियाँ हो जाएँ।

सलाह: व्याकरण को, शब्दों के सटीक अर्थों को, और उच्चारण को सही से समझने में थोड़ा अधिक समय देने की कोशिश करें। हालांकि यह सच है कि कुछ परिस्थितियों में आप पूरी तरह सही हुए बिना भी लोगों की बात समझ सकते हैं और अपनी बात समझा सकते हैं; पर अधिकांश मामलों में, सही होना बात को सही से समझने में मदद करता है।

चिंतनशील/आवेगी पैमाना (प्रश्न 9 से 12)

आपका स्कोर 0 के जितना समीप है, आपको विदेशी भाषा बोलने से पहले सोचने की ज़रूरत उतनी ही अधिक महसूस होती है। आप जोखम उठाने या ऐसी संरचनाओं अथवा शब्दावली का उपयोग करने से बचते हैं जिनके बारे में आप अधिक निश्चित नहीं हैं। आपको जो कहना है आप उसकी तैयारी के लिए अधिक समय चाहते हैं, और जैसे ही आपको महसूस होता है कि आपसे कोई गलती हो गई है तो आप जल्द-से-जल्द अपनी गलती ठीक कर दिया करते हैं।

सलाह: आप भाषा की संपूर्ण व्याकरण और शब्दावली को जाने बिना ही "कूद पड़ने" और भाषा का उपयोग करने लगने से खुद को रोक नहीं पाते हैं। भाषा को और अधिक बार बोलने और लिखने की कोशिश करें, तब भी जब आपको लगे कि आप उतने "तैयार" नहीं हैं जितना आप चाहते हैं। खुद को ज़ाहिर करते समय थोड़ा अधिक "साहस" दिखाने की आदत डालें, जो आपको निश्चित रूप से पहले से ही पता है उसका उपयोग करें।

आपका स्कोर 8 के जितना समीप है, आपकी शैली चिंतनशील और आवेगी के बीच उतनी ही अधिक "संतुलित" है। असल में हम में से बहुत से लोग इन्हीं दोनों के बीच में कहीं होते हैं और हम आवश्यकतानुसार दोनों शैलियों का उपयोग करते हैं।

सलाह: ऊपर व नीचे वाली दोनों शैलियों के वर्णन अभी-भी पढ़ लें। हो सकता है कि आप खुद को उनमें से एक या दूसरे के अधिक समीप पाएँ, और इससे आपको सीखने की अपनी शैली को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

आपका स्कोर 16 के जितना समीप है, आप खुद को "किस तरह" ज़ाहिर कर रहे हैं इस बारे में चिंता किए बिना अपनी हर मनचाही बात विदेशी भाषा में ज़ाहिर करने की उतनी ही अधिक प्रवृत्ति रखते हैं। आपको लगता है कि स्वरूप के बारे में सोचना आपको सहज नहीं रहने देता है, और आप कैसे-न-कैसे काम पूरा करने के लिए गलतियाँ होने का जोखम उठाना पसंद करते हैं।

सलाह: जोखम उठाना ठीक है पर बहुत अधिक लापरवाही खतरनाक हो सकती है! आप जो कहना चाहते हैं उसकी केवल "विषय-वस्तु" ही नहीं बल्कि उसके "स्वरूप" के बारे में भी अधिक सोचने की कोशिश करें, और कभी-कभी रुक कर यह सोचें कि आप खुद को अधिक स्पष्टता से और

अधिक सही ढंग से कैसे ज़ाहिर कर सकते हैं!

व्यक्ति/समूह पैमाना (प्रश्न 13 से 16)

आपका स्कोर 0 के जितना समीप है, आप अकेले अपने बूते अच्छे से कार्य करने और समूह गतिविधियों की बजाय वैयक्तिक गतिविधियों को प्राथमिकता देने की उतनी ही अधिक प्रवृत्ति रखते हैं। शायद आप दूसरों के साथ कार्य करने की बजाय किसी पुस्तक से अध्ययन करके अधिक बेहतर ढंग से सीखते हैं।

सलाह: अपने अध्यापक/अपनी अध्यापिका और सहपाठियों के साथ बातचीत बहुत उपयोगी साबित हो सकती है; इससे, कार्य करने के अपने खुद के अलग तरीके से आपका ध्यान भंग नहीं होता बल्कि इससे आपको अलग-अलग मतों, विचारों और दृष्टिकोणों को सीखने का मौका मिलता है।

आपका स्कोर 8 के जितना समीप है, आपकी शैली व्यक्ति और समूह के बीच उतनी ही अधिक "संतुलित" है। असल में हम में से बहुत से लोग इन्हीं दोनों के बीच में कहीं होते हैं और हम आवश्यकतानुसार दोनों शैलियों का उपयोग करते हैं।

सलाह: ऊपर व नीचे वाली दोनों शैलियों के वर्णन अभी-भी पढ़ लें। हो सकता है कि आप खुद को उनमें से एक या दूसरे के अधिक समीप पाएं, और इससे आपको सीखने की अपनी शैली को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

आपका स्कोर 16 के जितना समीप है, उतनी ही आप अकेले अपने बूते कार्य करने की बजाय जोड़ों या समूहों में बेहतर कार्य करने की, और स्वतंत्र रूप से पुस्तकों से पढ़ने की बजाय दूसरों से बात करने की प्रवृत्ति अधिक रखते हैं।

सलाह: दूसरों के साथ बातचीत और व्यवहार निश्चित रूप से मूल्यवान है, पर जो कुछ आप सीख रहे हैं उसे सच में अपना बनाने के लिए वैयक्तिक रूप से सीखना भी उतना ही महत्व रखता है।

मौखिक दृश्यात्मक पैमाना (प्रश्न 17 से 21)

आपका स्कोर जितना अधिक है, आप सीखी जाने वाली चीज़ को पढ़ने को उतनी ही अधिक प्राथमिकता देते हैं: उदाहरण के लिए, आपको किसी कार्य के निर्देशों को मात्र सुनने की बजाय उन्हें पढ़ना, आपको कक्षा में जो कुछ बताया जाए उसके नोट्स बनाना, चीज़ों को ब्लैकबोर्ड पर लिखित रूप में देखना, व्याख्यान सुनने या वीडियो देखने की बजाय पुस्तकों से अध्ययन करना इत्यादि अधिक उपयोगी लगता है।

अमौखिक दृश्यात्मक पैमाना (प्रश्न 22 से 26)

आपका स्कोर जितना अधिक है, आप सीखी जाने वाली चीज़ को देखने को उतनी ही अधिक प्राथमिकता देते हैं: उदाहरण के लिए, आपको शब्दों को चित्रों से जोड़ना, पाठ्य में मौजूद मुख्य शब्दों को अलग-अलग रंगों में हाइलाइट करना, आपको जो सीखना है उसके चार्ट या स्पाइडरग्राम बनाना, याद रखने वाले नए शब्दों के मानसिक चित्र बनाना, या लिखित पाठ्य का उपयोग करने की बजाय उसका वीडियो देखना अधिक उपयोगी लगता है।

श्रवण शैली पैमाना (प्रश्न 27 से 31)

आपका स्कोर जितना अधिक है, आप सीखी जाने वाली चीज़ को सुनने को उतनी ही अधिक प्राथमिकता देते हैं: उदाहरण के लिए, आपको निर्देशों और स्पष्टीकरणों को सुनना, शब्दों को ज़ोर-ज़ोर से बोलना या मन-ही-मन दोहराना, उच्चारण के अभ्यास करना, विदेशी भाषा के पाठ्यों को सुनना, कक्षा में चर्चाओं और बातचीत में भाग लेना इत्यादि उपयोगी लगता है।

शारीरिक-क्रियाकलाप शैली पैमाना (प्रश्न 32 से 36)

आपका स्कोर जितना अधिक है, आप शारीरिक क्रियाकलाप वाली चीज़ों को करना उतना ही अधिक पसंद करते हैं, जैसे: खेलों और मूक अभिनय में भाग लेना, बातचीत में इशारों का उपयोग करना, और स्कूल के अंदर व बाहर सक्रिय अनुभवों में शामिल होना, जैसे शोध, साक्षात्कार, कार्यशाला गतिविधियां इत्यादि।

आपका स्कोर एक शैली के लिए "संतुलित" है या कई शैलियों के लिए?

बहुत से लोग अलग-अलग तरीकों से सीखते हैं जो उनकी परिस्थितियों पर निर्भर करता है, और हर शैली के अपने-अपने लाभ होते हैं। अपनी पसंदीदा शैलियों के सकारात्मक पहलुओं से अधिकतम लाभ लेने की कोशिश करें, पर जितना हो सके उतना अन्य शैलियों का उपयोग सीखने की भी कोशिश करें: अपनी टूलकिट में एक से अधिक टूल का होना हमेशा ही बेहतर होता है!